Student Name -   Roll No - 123008   Subject - Essay   Total Score : 171.00

SrNo	1) Q1 (100.00)	2) Q2 (100.00)	3) Q3 (100.00)	4) Q4 (100.00)	5) Q5 (100.00)	6) Q6 (100.00)	7) Q7 (100.00)	8) Q8 (100.00)	9) Q9 (100.00)
1	0.00	60.00	0.00	0.00	0.00	0.00	53.00	0.00	0.00

10) Q10 (100.00)	11) Q11 (100.00)	12) Q12 (100.00)
58.00	0.00	0.00

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

परीक्षार्थी के लिए आवश्यक अनुदेश

इन्हें सावधानी से पढ़ें और इनका अनुपालन करें, अन्यथा दंड के भागी होंगे।

1. इस उत्तर पुस्तिका में (40) क्रमांकित पृष्ठ हैं। इनका सत्यापन कर लें। त्रुटि/कमी होने पर उत्तर पुस्तिका बदलवा लें।
2. प्रवेश पत्र से मिलान कर, केवल इस आवरण पृष्ठ पर विहित स्थान पर अपना नाम एवं अनुक्रमांक (Enrollment Number) अंतर्राष्ट्रीय अंकों तथा अक्षरों में लिखें।
3. अनुक्रमांक के सभी 'अंक' अलग-अलग बॉक्स में लिखें। 'शब्दों में' प्रत्येक अंक ठीक उसके नीचे, लम्बे बॉक्स में, (ए क / O N E) अक्षरवार लिखें।
4. उत्तर पुस्तिका के अन्दर किसी पृष्ठ पर प्रश्नोत्तर के अलावा अपना नाम, अनुक्रमांक, अन्य कोई (धार्मिक) शब्द या पहचान चिह्न एवं परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें, अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जायेगी।
5. प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिये गये निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गये उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। परीक्षार्थी जिस प्रश्नोत्तर को लिखना चाहते हों, उसके सामने बने बॉक्स के अंदर Tick ☑ का निशान लगायें। उदाहरण—1.(a) ☐ or 1.(b) ☐
6. यदि आप किसी प्रश्नोत्तर को रद्द करना चाहें, तो आर-पार क्रॉस (×) कर काट दें और उस पर 'रद्द' लिखें।
7. उपस्थिति पत्र पर प्रत्येक परीक्षा के लिए वही हस्ताक्षर करें, जो उपस्थिति पत्र पर आपने पूर्व में किया है। अन्यथा, उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जायेगी।
8. प्रश्नों के उत्तर एक ही स्याही से लिखें। यदि स्याही बदलनी ही पड़े, तो इस आशय का वीक्षक (Invigilator) से आवरण पृष्ठ पर नियत स्थान पर ▣ अभिप्रमाणन अवश्य ही करायें।
9. उपस्थिति सूची में अपने नाम के समक्ष उत्तर पुस्तिका की संख्या अवश्य लिखें और हस्ताक्षर करें, अन्यथा उत्तर पुस्तिका रद्द कर दी जायेगी।
10. परीक्षा कक्ष में यदि कोई पुस्तक/उत्तर सामग्री आपसे बरामद होगी या नकल करते/कराते बात-चीत करते/दुर्व्यवहार करते पाये जाने की स्थिति में इस परीक्षा सहित आगामी पाँच वर्षों के लिए तथा परीक्षा से संबंधित भ्रामक एवं सनसनीखेज अफवाह फैलाने की स्थिति में तीन वर्षों के लिए आयोग की परीक्षाओं से वंचित किया जायेगा। साथ ही बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1985 के उपबंधों के अधीन भी दंडित किये जायेंगे।
11. कोई अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।
12. उत्तर पुस्तिका सौंपने के उपरांत ही परीक्षा कक्ष से बाहर निकलें।
13. केन्द्राधीक्षक के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है।

EXAM.— 03/FH/CC/M-2023-38

विषय : निबंध
SUB : **ESSAY**

उत्तर का माध्यम : हिन्दी ● अंग्रेजी ○ उर्दू ○
Answer Medium : Hindi ● English ○ Urdu ○

Subject Barcode :

तिथि / Date 18/05/2023

प्रश्न संख्या Q. No.	प्राप्तांक / Marks Obtained (परीक्षक भरेंगे)

कुल (अंकों में) TOTAL (in figures)

कुल (शब्दों में) TOTAL (in words)

परीक्षक EXAMINER

प्रधान परीक्षक HEAD EXAMINER

विषय : निबंध
SUB : **ESSAY**
EXAM.— 03/FH/CC/M-2023-38

23831543

Only for Office use

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

[Full Marks : 300

topics in about 700 to 100

से 800 शब्दों में एक निबंध

people to throw seeds.

...कर बीज फेंकने का इंतजार नहीं

also a form of moral and

...क और सामाजिक क्रिया का भी

...ed better than inaction.

...से अवश्य ही उत्तम है।

... truths.

उद्घाटित करती है।

...ोत ही नहीं है,

सामाजिक क्रिया का

है"

- दर्पण होता है।

विद्वान की यह

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

…पृष्ठ पर न लिखें

…OT WRITE ON THIS PAGE

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

ESSAY

Time : 3 Hours] [*Full Marks* : 300

Section—I
खण्ड—I

Write an essay on **one** of the following topics in about *700* to *800* words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग *700* से *800* शब्दों में एक निबंध लिखिए :

1. ☐ Forest creates its own trees. It does not wait for the people to throw seeds.
जंगल अपने पेड़ स्वयं तैयार करता है। यह लोगों के जंगल में आकर बीज फेंकने का इंतजार नहीं करता है।

2. ☑ Literature is not only a source of knowledge, but also a form of moral and social activity.
साहित्य ज्ञान का केवल एक स्रोत ही नहीं है, साथ ही यह नैतिक और सामाजिक क्रिया का भी एक रूप है।

3. ☐ Perform your obligatory duty because action is indeed better than inaction.
अपने अनिवार्य कर्तव्य का पालन करें क्योंकि कर्म, निष्क्रियता से अवश्य ही उत्तम है।

4. ☐ Good art should illuminate our experience or reveal truths.
उत्कृष्ट कला हमारे अनुभव को प्रकाशित करती है या सत्य को उद्घाटित करती है।

"साहित्य ज्ञान का केवल एक स्रोत ही नहीं है, साथ ही यह नैतिक और सामाजिक क्रिया का भी एक रूप है"

'साहित्य समाज का दर्पण होता है'.

किसी विद्वान की यह

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

उक्ति यूँ ही नहीं प्रसिद्ध है जो एक शब्दों में कहे तो साहित्य के यर्थायता को प्रकट कर देती है। साहित्य ही वह माध्यम है जिससे हम अपने सांस्कृतिक, सामाजिक, नैतिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक मूल्यों से रूबरू होते हैं तथा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते रहते हैं। साहित्य की कोई सीमा नहीं होती, वह चाहे दक्षिण अमेरिकी द्वीप का हो या सुदूर यूरोप का, चाहे वह भारत का हो या अफ्रीका का, अनिवार्य रूप से अपनी जगह ढूँढ लेता है तथा स्वयं के प्रकाश से दूसरों को प्रकाशमान होने का अवसर देता है।

ऐतिहासिक रूप से देखें तो मानवीय उत्पत्ति के कुछ शताब्दी बाद जब आधुनिक मानव (होमोसेपियन्स) का स्थायी

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

जीवन में प्रवेश हुआ तो साहित्य का विकास भी प्रारंभ हुआ। प्रारंभ में यह श्रुति लेख, भाषा द्वारा आगे बढ़ा तो लिपि के विकास के साथ ही लिखित रूप में सामाजिक नियमों तथा नैतिक मूल्यों को प्रकट करने लगा।

उदाहरण के लिए हम भारतीय परिदृश्य का उदाहरण ले तो हमारे यहाँ हड़प्पा काल तक लिपि का विकास ना होने से उस काल की जानकारी हेतु पुरातात्विक खोजों पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ता है जबकि वैदिक काल में लिपि के विकास के साथ ही वेद, उपनिषद्, पुराण, बौद्ध ग्रंथ, जैन ग्रंथ आदि का व्यापक भण्डार प्राप्त होता है, जो ना सिर्फ ज्ञान के स्रोत है अपितु हमारे नैतिक मूल्यों को भी प्रकट करते है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

उदाहरणतया वेदों - ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद से हमें पूजा-पाठ विधि, औषधि ज्ञान, चिकित्सा ज्ञान, संगीत की विधि आदि का ज्ञान होता है। बौद्ध ग्रंथ तो तत्कालीन समाज में व्याप्त अंधविश्वास, वर्ण-विभाजन पर प्रहार करने के साथ-साथ 'सत्य, अहिंसा, अप्पो दीपो भव, मानवता' का सिद्धांत के प्रमाण मिलता है जो आज भी हमारे समाज का अभिन्न अंग है।

आदिकाल से ही चाहे हस्तशिल्पकला का ज्ञान हो या विविध प्रकार के स्थापत्य कला का, इनके ज्ञान को साहित्य ने ही आगे बढ़ाया है। साथ ही साहित्य हमारे राष्ट्रीय आदर्शों के विकास में भी सहायक रहा, जिसे हम विश्व इतिहास

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

7

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

या भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में भी देखते हैं। उदाहरण के लिए फ्रांसीसी क्रांति 1789 में बौद्धिक वर्ग तथा उनके द्वारा लिखित साहित्यों की इतनी प्रभावशीलता थी कि नेपोलियन ने एक बार स्वयं कहा कि "अगर रूसो ना होता तो क्रांति नहीं होती।" इसी तरह अमेरिकी क्रांति हो रूसी क्रांति, सभी में साहित्य के ज्ञान तथा सामाजिक क्रिया को उद्वेलित करने में साहित्य अग्रणी रहा है।

भारतीय परिदृश्य में तो 19वीं सदी के मध्य संचालित समाज सुधार आंदोलन हमारे साहित्यिक ज्ञानों के नवीन प्रकल्पना से ही संचालित ~~हुयी~~ हुयी। जैसे स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा - वेदों की ओर लौटो कहा जाना।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

8

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

कई बार तो साहित्य समाज की धारा को ही बदल देता है। वैश्विक स्तर पर समाजवादी, राष्ट्रवादी, पूँजीवादी, भौतिकवादी, साम्यवादी आदि विचारों का प्रसार साहित्य द्वारा ही हुआ है। यथा कार्ल मार्क्स की दास कैपिटल ने वैश्विक पूँजीवादी धारा, जो एडम स्मिथ के 'वेल्थ ऑफ नेशन' से पल्लवित हुयी थी, को एक मजबूत चुनौती पेश की, जो आज भी विभिन्न देश के समाजों में कृषक-श्रमिक अधिकारों की मांग हो या समाजवादी मूल्यों द्वारा समावेशी विकास की बात, के रूप में मौजूद है।

कहा जाता है कि जिस 'समाज का साहित्यिक विकास नहीं होता

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

उसका नैतिक रूप से पतन हो जाता है। अर्थात् हम किसी देश के साहित्य को तोड़-मरोड़कर पेश करें या उसका मौलिक विकास अवरुद्ध कर दें तो वह समाज धीरे-धीरे नैतिक पतन द्वारा मानसिक गुलामी की ओर बढ़ जाता है।

इसका स्पष्ट उदाहरण हमारे भारतीय इतिहास में मिलता है जब औपनिवेशिक शासन द्वारा हमारे साहित्य को 'निकृष्ट' बताकर, भारतीयों को असभ्य घोषित करने तथा स्वयं के शासन को उचित ठहराने का प्रयास किया गया परंतु पुनः यह साहित्य ही था जिसने हमारे नैतिक मूल्यों, राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें।
Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

वर्तमान युग जबकि सूचना-प्रौद्योगिकी द्वारा वैश्विक गाँव में ~~बदल~~ रूप में बदल रहा है तो आज साहित्य का स्वरूप भी बदल रहा है। आज ऑनलाइन साहित्यिक कृति का विशाल भण्डार मौजूद है, जिससे आसानी से प्राप्त कर ज्ञान तो प्राप्त किया ही जा सकता है। साथ ही विश्व के किसी भी कोने में बैठकर हम दूसरे देश के नैतिक तथा सामाजिक स्वरूप को उसके साहित्य के साथ प्रतिबिंबित कर सकते हैं।

दूसरा सबसे महत्व रूप साहित्य के प्रभाव से 'संस्कृतीकरण' के रूप में आया है, जहाँ एक-दूसरे की सामाजिक नियमों, नैतिक मूल्यों, खान-पान, वेश-भूषा को अपनाया जा रहा है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

जैसे अगर हम 1990 के दशक से आज के भारतीय परिदृश्य की तुलना करें तो हमारा साहित्य, समाज, नैतिक मान्यताओं में व्यापक बदलाव आया है तथा पश्चिमीकरण का तीव्र प्रसार हुआ है।

दूसरी ओर भारतीय मूल्य जैसे परिवार व्यवस्था, शादी व्यवस्था, योग, आयुर्वेद आदि ने साहित्यिक माध्यमों से विश्व के अनेक भागों में अपनी पहुँच बना ली है। जो ना सिर्फ हमारे साफ्ट पावर का वाहक है अपितु 'ब्राण्ड इण्डिया' का परिचायक भी।

यद्यपि आधुनिकीकरण के दौर में साहित्यिक स्तर में गिरावट भी आयी है तथा जो कभी समाज को आगे बढ़ाने वाली, नैतिक मूल्यों का पोषण करने वाली

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

12

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

ज्ञान का असीम स्रोत होती, वहीं आज सिर्फ मनोरंजन का उद्देश्य बन कर रह गयी है तथा समाज में विभिन्न विकृतियाँ जो साहित्यिक मूल्यों द्वारा दूर की जा सकती थी, आज फूहड़पन का शिकार हो रही है।

यद्यपि यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने साहित्यिक विरासत को सँजोये, नैतिक मूल्यों को प्रसारित कर एक सभ्य समाज की दिशा में बढ़े। इस हेतू भारत सरकार की 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, भारत श्री, पढ़े भारत, बढ़े भारत, पीएम युवा लेखक प्रोत्साहन आदि सराहनीय कदम भी है। फलतः हम भविष्य की पीढ़ीयों को भी सँजो पाएंगे।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

फलतः यह सत्य ही प्रतीत होता है कि साहित्य सिर्फ हमारे ज्ञान का ही स्रोत नहीं होता बल्कि वो तो हमारे नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक क्रियाओं का एक शाश्वत रूप है। ठीक ही कहा गया है,

"धूप में निकलो, घटाओं में नहाकर देखो
जिंदगी और खूबसूरत होगी
किताबों से दिल लगाकर देखो"

sahitya se udaharan ka abhav

✓ 60 Q2

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

X

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

15

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Section—II
खण्ड—II

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

5. ☐ We are not makers of history, we are made by history.
हम इतिहास-निर्माता नहीं हैं, बल्कि हम इतिहास द्वारा निर्मित हैं।

6. ☐ Internet has turned our world into global village.
इंटरनेट ने हमारे संसार को विश्वगाँव में बदल दिया है।

7. ☑ Thought is the base of life.
विचार जीवन का आधार है।

8. ☐ Education seeking change after Covid.
कोविड के बाद बदलाव माँगती शिक्षा।

"विचार जीवन का आधार है"

'हम जैसा सोचते हैं, वैसा बन जाते हैं'

फलों के बाग में बैठा एक युवक सहसा धरती की तरफ गिरते फलों को देखकर यह विचार करने लगता है कि यह फल हमेशा नीचे ही

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

16

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

क्यों गिरते है? ये आसमान की तरफ क्यों ना चले जाते? इनके नीचे की ओर गिरने का क्या कोई कारण है? यूँ तो उससे पहले करोड़ो मनुष्यों ने फलों को धरती की ओर ही गिरते देखा था परंतु किसी ने ऐसा विचार नहीं किया था। उस युवक ने उसके मन में उठ रहे विचारों को आधार बना लिया।

फिर वह उसके खोज में इस तरह जीने लगा कि उसने विश्व को 'गुरुत्वाकर्षण का नियम' का नियम दिया, जिसने वैज्ञानिक क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया। यह युवक कोई और नहीं आइंस्टीन थे, जिसने विचार किया तथा जीया।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

ऐसे ही अनेक उदाहरणों से हमारा इतिहास भरा हुआ है, जिसमें विचार ही जीवन का आधार बना। भगवान बुद्ध एक सन्यासी, एक वृद्ध, एक शव, एक मरीज को देखकर यह विचार करने पर ही मजबूर हुए कि ऐसा क्यों है? जीवन का आधार क्या है?

पुनः उन्होंने अपने विचारों की सत्यता की खोज में कठिन जीवन को चुना परंतु उसी जीवन ने उनको 'महात्मा बुद्ध के रूप में स्थापित कर दिया। इनके द्वारा प्रदत्त अहिंसा, सत्य, अप्पो दीपो भव आदि की शिक्षा हमारे संपूर्ण मानव जीवन का आधार बनी।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

ऐतिहासिक रूप से हम मानव के विकास प्रक्रिया पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि समय के साथ-साथ मनुष्य के बदलती आवश्यकताओं ने नवीन विचारों को जन्म दिया। फलतः जंगलों में रहने वाला मनुष्य ने स्थायी जीवन शुरू किया, पशुपालन, खेती प्रारंभ किया, आग के आविष्कार ने तो उसकी जीवन प्रक्रिया बदल दी। पहिया, चाक, विभिन्न हथियार आदि के विचार ने ही खोज को अंजाम दिया।

यह मनुष्य की विचारशीलता का ही प्रभाव है कि वह संसार जगत का सबसे बुद्धिमान प्राणी है। साथ ही

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

उसके जीवन की आवश्यकता संबंधी विचारों ने ही सुई से लेकर बड़े-बड़े एलाईडी स्क्रीन, साइकिल से लेकर वायुयान के आविष्कार तथा धरती पर जीवन से लेकर अंतरग्रहीय यथा मंगल, शुक्र, चाँद आदि की यात्रा को संभव बनाया है।

सामाजिक रूप से हम देखें तो मनुष्य द्वारा सभ्य समाज की स्थापना, समाज में शांति-न्याय आदि के विचार ने ही विभिन्न नैतिक विचारों, शासन व्यवस्था, विवाह व्यवस्था, श्रम प्रणाली आदि को नियमबद्ध किया तथा उसके जीवन का आधार बना।

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

धार्मिक क्षेत्र मे भी विभिन्न संप्रदाय, पूजा पद्धती, संस्कार नियम आदि विचार प्रक्रिया के ही परिणाम है। उदाहरण के लिए पुनर्जागरण काल से पूर्व यूरोप में फैली चर्च मे व्याप्त आडबर तथा अनैतिक गतिविधियों ने मनुष्य जीवन को धर्म की के बंधन में इस कदर जकड़ दिया था कि वैज्ञानिक दृष्टि का विकास नहीं हो पाया था।

यद्यपि पुनर्जागरण ने ना सिर्फ मध्यकालीन मान्यताओं को बदल दिया अपितु वैज्ञानिक खोज, मानवतावाद, व्यक्तिवाद, धार्मिक सुधार आंदोलन को भी उद्दलित किया, जिससे यूरोपीय समाज मे व्यापक बदलाव आया।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

आर्थिक क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति, वाणिज्यवाद का विकास, पूंजीवाद की सफलता, साम्यवादी विचार का प्रसार, समाजवादी मूल्यों की प्रासंगिकता आदि नवीन विचारों की ही परिणाम था।

फलत: औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन प्रणाली को पूरी तरह बदल कर मशीन व तकनीक आधारित प्रणाली में बदल दिया तो पूंजीवाद के विकास के साथ-साथ समाज में मालिक तथा श्रमिक वर्ग के असमानता की खाई भी बढ़ती गयी जो साम्यवादी सिद्धांत में 'वर्ग-संघर्ष सिद्धांत' के रूप में सामने आयी।

वर्तमान में वैश्वीकरण की अवधारणा देशों को एक साथ लाकर

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

वैश्विक गाँव के विचार को साकार करने का ही परिणाम है।

आज अगर भारत द्वारा आजादी के अमृतकाल @75 के संकल्पों में भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना तथा 2047 तक विकसित भारत की अवधारणा शामिल है तो यह हमारे प्रगतिशील विचारों का ही परिचायक है, जिसके अनुसार भारतीयों के जीवन स्तर में भी बदलाव आ रहा है तथा हम आधुनिक अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, कृषि, उद्योग आदि क्षेत्रों को नवीनीकृत कर जीवन को सुलभ बनाने की ओर अग्रसर है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण, जो कि हमारे समाज की मूलभूत आवश्यकता है, सदियों से भारतीय जीवन शैली का हिस्सा है और हमारे ग्रंथो में कहा गया है कि

"पृथ्वी रक्षित रक्षिता"

आज स्वच्छ भारत अभियान मिशन लाइफ द्वारा हमारे जीवनशैली का आधार बन गया है। साथ ही पंचामृत के रूप में 2070 तक भारत द्वारा नेट जीरो कार्बन उत्सर्जनकर्ता होने का विचार, हमारे द्वारा इस दिशा में उठाए जाने वाले कदमों का आधार स्तंभ है, जिसका परिणाम भी जीवन को सुखद बनाएगा।

✓

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

राजनैतिक क्षेत्र में औपनिवेशिक शासन से मुक्ति का विचार ही हमारे अनेक राष्ट्रीय नायकों के जीवन आधार बना। जैसे महात्मा गाँधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस आदि का एक ही विचार था कि भारत गुलामी की बेड़ियो से मुक्त हो, फलतः इस रास्ते में इन लोगों ने अपनी जिंदगी समर्पित कर दी। फलतः आजादी हमारे हाथ हो। आज भी हमारे संविधान में के आदर्श स्वतंत्रता, समानता, न्याय, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद आदि शासन व्यवस्था का मूलभूत आधार है।

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

इस प्रकार स्पष्ट है कि चाहे वो सामाजिक क्षेत्र हो या आर्थिक, राजनैतिक क्षेत्र हो या धार्मिक, विज्ञान की बात हो या साहित्य की, किसी न किसी रूप में 'विचार', इसके बारे में चिंतन ही प्रथम कदम होता है। अगर हम निष्क्रियता को चुनें तो हमारी स्थिति भी कुएँ में पड़े मेढक के समान हो जाएगी। अतः इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि 'विचार जीवन का आधार है।' यह विचार ही है जो हमें यह सिखाता है कि 'यह ना सोचें कि हम साथ लेकर क्या आए थे और क्या लेकर जाएँगे, बल्कि ये सोचें समाज को हम क्या देकर जाएँगे।"

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

✓ 53 Q7

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Section—III
खण्ड—III

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

9. ☐ Dharma ke bina vigyan nangar chhai, vigyan ke bina dharma aanhar chhai.
धर्म के बिना विज्ञान नाङ्गर छै, विज्ञान के बिना धर्म आन्हर छै।

10. ☑ Paani mein machharia, nau-nau kutia bakharaa.
पानी में मछरिया, नौ-नौ कुटिया बखरा।

11. ☐ Agila khetee aage-aage, pachhila khetee bhage jage.
अगिला खेती आगे-आगे, पछिला खेती भागे जागे।

12. ☐ Moos motaihen, lodha hoihen,
na hathi, na ghora hoihen.
मूस मोटइहें, लोढ़ा होइहें,
ना हाथी, ना घोड़ा होइहें।

"पानी में मछरिया, नौ-नौ कुटिया बखरा"

20वीं सदी के प्रारंभिक दशकों की बात है, जब रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, जर्मनी आदि देश छोटे-छोटे देशों पर ऐसी गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे थे जैसे कि सबके हिस्से में देशों के भूभाग के रूप में बड़ी मछली आने वाली है। फलतः उस हिस्सा, दावा

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

जैसी भावना ने यूरोप को प्रथम विश्व युद्ध की आग में झोंक दिया, जिससे संपूर्ण विश्व पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा तथा व्यापक जान माल की क्षति हुयी थी। पुनः जब पेरिस शांति सम्मेलन हुआ तो जो मछली युद्ध पूर्व बड़ी थी, उसको मित्र राष्ट्रों ने नोंच- नोंच कर का बखरा लगा लिया अर्थात् इसका आशय है कि जो वस्तु पहले अदृश्यमान या नेपथ्य में हो उसका पहले से ही विभाजन या हिस्सा दावा करना।

हमारा सामाजिक परिवेश भी कुछ ऐसा ही है कि पूर्व से ही वह विभाजन की धारणा को धारण किए हुए है तथा इसमें मछली रूपी अनेक व्यक्ति ~~संपर्क~~

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें। Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

29

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

संप्रदाय है जिसका बंदरबाँट होता आया है। उदाहरण केलिए मध्यकालीन इतिहास में अनेक ~~एक~~ ऐसे मौके आए जब रक्तपात के दम पर अपना हिस्सा प्राप्त किया गया। जैसे जलालुदीन खिलजी द्वारा गुलाम वंश द्वारा दिल्ली की सत्ता हथियाना हो या औरंगजेब द्वारा अपने भाइयों से सत्ता केलिए संघर्ष तथा फिर धर्मांध शासन।

~~व~~ आधुनिक राजनीति के क्षेत्र में भी 'पानी में मछरिया, नौ- नौ कुटिया बखरा' का विविध रूपों में प्रदर्शन दिखलायी पड़ता है। उदाहरणतया, अगर किसी राज्य में चुनाव हो तथा किसी विपक्षी दल के विजयी होने का अनुमान हो तो कई नेताओं द्वारा चुनाव पूर्व से ही

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay
Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

मुख्यमंत्री पद, मंत्रीपद का बखरा लगा लिया जाता है। अर्थात् इसमें एक लालच की भावना का भी प्रतिबिंब दिखलायी पड़ता है।

इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि सिर्फ हमें पानी में पड़े मछली का हिस्सा - बखरा ही नहीं लगाना चाहिए अपितु उसके लिए कर्म भी करना चाहिए, जैसा कि गाँवो मे हम बड़े-बुजुर्गों को यह कहते हुए सुन लेते है कि

"भागे से बइठे टुकरा मिले ना
जे हाथ पर हाथ ना धरे
ऊ केहू से रहिने ना"

अर्थात् हम सिर्फ भाग्य भरोसे ही बैठ जाए तो संभव है कि हमें उतना ही मिले जितना कोई छोड़ जाए

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

या कुछ भी हासिल ना हो। वहीं दूसरी ओर जो मछली में हिस्सा के लिए हाथ पर हाथ धरे नहीं रखता तथा स्वयं मछली मारने हेतु प्रयास करता है, उसके हिस्से अधिक ही आता है तथा उसको छिना-झपटी नहीं करना पड़ता।

ऐसा ही कुछ भारतीय धार्मिक जीवन में भी दिखलायी पड़ता है कि ~~अध्यात्म के~~ जहाँ कभी-कभी अंधविश्वास में लोग परिस्थिति को नियति द्वारा निर्धारित मानकर कोई प्रयास नहीं करते अपितु होना यह चाहिए कि नियति को हम जिंदा होने का सबूत अपने कर्मों से दे तथा यह ध्यान रखें कि 'जो चला है, वो बढ़ा है'

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

विश्व राजनीति में तो बदलाव की प्रवृति इतनी द्रुत होती है कि कभी-कभी एक मछली को सैंकडो हिस्सो मे बॅंटना पड़ता है तो कभी-कभी वह मछली पानी में अकेले ही छूट जाती है। उदाहरण के तौर पर अगर हम रूस-यूक्रेन संघर्ष को ले तो पाते है कि एक तरफ रूस की आक्रामकता को हम कहीं से उचित नही ठहरा रहे अपितु दूसरी ओर नाटो द्वारा रूस की घेराबंदी, यूएसए समर्थित पश्चिमी देशो द्वारा रूस को अलग-थलग करने का प्रयास का ही परिणाम है कि यूक्रेन को भारी गोला-बारूद आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है तथा शांति प्रयास लगभग ठप पड़ चुके है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

अर्थात् रूस - यूक्रेन संघर्ष का भविष्य क्या होगा यह अभी भविष्य की गर्त में है परंतु इसे रूसी रूपी मछली के बँटवारा के उद्देश्य की भी छाप दिखलायी पड़ती है।

आर्थिक दृष्टि से हमारे विकास का मॉडल समाजवादी मूल्यों के साथ ही मिश्रित रूप में लागू किया गया था, जिसके द्वारा बेरोजगारी, गरीबी, महँगाई, भूखमरी आदि पर नियंत्रण स्थापित करना प्रमुख उद्देश्य था। परंतु जिस विकास रूपी मछली का हिस्सा वितरित होना चाहिए था, वह भ्रष्टाचार, घोटाले रूपी मछली के नौं - नौं कुटिया बखरा में विभक्त हो गयी तथा उसका सही लाभ नहीं मिल पाया।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

इससे हमारा बिहार भी अछूता नहीं रहा तथा राजनीतिक -प्रशासनिक शिथिलता, जातीय संघर्ष व हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता आदि ने विकास रूपी मछली का पर्याप्त प्रभाव नहीं होने दिया। इसके पीछे एक प्रमुख कहावत भी प्रसिद्ध है कि

"बइठल बानी पूजा पर
मन बाटे भुजा पर"

अर्थात् जिस विकास को हमें समाज के सभी हिस्सों, सभी क्षेत्रों में पहुँचाना था, वह नेपथ्य में चला गया तथा राजनीतिक सत्ता की लोलुपता ने विकास का पहले से ही नौ-नौ कुटी बखरा कर दिया।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

35

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

फलतः बिहार में व्याप्त सामाजिक- आर्थिक विषमता में भी हमें कुछ हद तक यह पदचिन्ह भी दिखायी पड़ता है।

अतः हम कह सकते हैं कि चाहे आर्थिक विकास की बात हो या सामाजिक प्रगति की, हमें 'पानी में मछलियां, नौ- नौ कुड़िया बखरा' की भावना से आगे समावेशी तथा भागीदारी आधारित क्रियाकलापों को बढ़ावा देना चाहिए। तभी हम कह पाएँगे कि :

'लिखेंगे, पढ़ेंगे, करेंगे अपना काम
तभी तो होगा जग में अपना नाम
छोड़ेंगे पानी में पड़े मछली के बाँटने की भावना,
तभी होगा सबका कल्याण"

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

✓ 58 Q10

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें।
Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

X

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

प्रश्नों के सामने बने सही बॉक्स में Tick ☑ का निशान लगायें। Mark Tick ☑ in the appropriate box in front of Question No.

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (×) कर दें।
Please Cross (×) unused space

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

साहित्य
- ज्ञान के स्रोत के रूप में
- नैतिक प्रसार के रूप में
- समाज के दर्पण के रूप में

विविध पक्ष
- इतिहास
- दार्शनिक
- मुक्त चिंतन
- भविष्य की साधना

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

SPACE FOR ROUGH WORK / रफ कार्य के लिए स्थान

★★★

Akhilesh Kumar, Rank 176 (68th BPSC) Essay

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com